

तीसरी भारतीय विश्लेषणात्मक कॉन्ग्रेस (IAC)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखण्ड के देहरादून में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (CSIR-IIP) में तीसरे भारतीय विश्लेषणात्मक कॉन्ग्रेस (IAC) का उद्घाटन किया गया।

- यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह प्रदर्शनी IAC-2024 है। इसका आयोजन CSIR-IIP और इंडियन सोसायटी ऑफ एनालिटिकल साइंटिस्ट (ISAS-दिल्ली चैप्टर) की ओर से संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

मुख्य बड़ि:

- सम्मेलन की थीम 'हरति परिवर्तनों में वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका' है।
- तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विश्लेषणात्मक वजिज्ञान में उद्योगों, शक्तिवादिों, वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीवादिों के लिये इस क्षेत्र में प्रचलति तथा आगामी समाधानों को प्रस्तुत करने के लिये एक मंच प्रदान करेगा।
 - सम्मेलन में पाँच तकनीकी सत्र होंगे, जिनमें प्रख्यात वक्ताओं की वार्त्ता, शोधकर्त्ताओं की प्रस्तुतियाँ और विशेष तथा पूरण सत्र शामिल होंगे।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)

- परचिय: वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (Council of Scientific and Industrial Research- CSIR) भारत का सबसे बड़ा अनुसंधान एवं वकिस (R&D) संगठन है। CSIR एक अखलि भारतीय संस्थान है जसिमें 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 दूरस्थ केंद्रों, 3 नवोन्मेषी परसिरों और 5 इकाइयों का एक सक्रयि नेटवरक शामिल है।
 - CSIR का वत्तिपोषण वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा कथि जाता है तथा यह सोसायटी पंजीकरण अधनियिम, 1860 के अंतरगत एक स्वायत्त नकिय के रूप में पंजीकृत है।
 - CSIR अपने दायरे में रेडियो एवं अंतरकिष भौतिकी (Space Physics), समुद्र वजिज्ञान (Oceanography), भू-भौतिकी (Geophysics), रसायन, ड्रग्स, जीनोमिक्स (Genomics), जैव प्रौद्योगिकी और नैनोटेक्नोलॉजी से लेकर खनन, वैमानिकी (Aeronautics), उपकरण वजिज्ञान (Instrumentation), पर्यावरण अभयित्त्रिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी तक की एक वसित्त वषिय शृंखला को शामिल करता है।
 - यह सामाजिक प्रयासों के संबंध में कई क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण तकनीकी हस्तक्षेप प्रदान करता है जसिमें पर्यावरण, स्वास्थ्य, पेयजल, भोजन, आवास, ऊर्जा, कृषि-क्षेत्र और गैर-कृषि क्षेत्र शामिल हैं।
- स्थापना: सतिंबर 1942
- मुख्यालय: नई दिल्ली